A–0609

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-503

एम.ए. ज्योतिष (MAJY)

पंचांग एवं मुहूर्त्त-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग के इतिहास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

2. भारतीय पंचांग की वैज्ञानिकता का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

3. पंचांग के कितने अंग होते हैं ? प्रत्येक का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

4. दृक्सिद्ध पंचांग क्या होता है ? इसका महत्व अपने शब्दों में प्रतिपादित कीजिए।

5. वर्तमान युग में भारतीय पंचांग की प्रासङ्गिकता पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. तिथि क्या होती है ? विस्तृत परिचय दीजिए।

2. वार साधन पर टिप्पणी लिखिए।

3. नक्षत्र कितने हैं ? विस्तृत परिचय दीजिए।

4. योग साधन पर टिप्पणी लिखिए।

5. करण कितने है ? विस्तृत परिचय दीजिए।

6. तिथि-क्षय पर टिप्पणी लिखिए।

7. पंचांग की आवश्यकता पर अपने विचार लिखिए।

8. प्रसिद्ध पंचांगों का परिचय दीजिए।

****